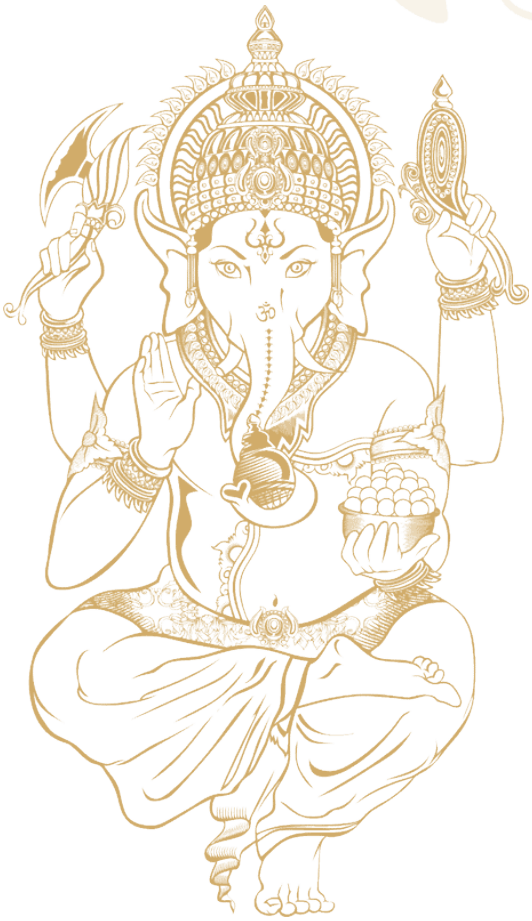

Mr.

21 Aug 2024

10:33 AM

Solan

Model: Web-VarshKundli

Order No: 119117001

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
21/08/2024	जन्म तिथि	**21/08/2025**
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 10:33:00	जन्म समय	16:42:09 घंटे
घटी 11:43:46	जन्म समय(घटी)	27:07:00 घटी
India	देश	India
Solan	स्थान	Solan
उत्तर 30:54:00	अक्षांश	30:54:00 उत्तर
पूर्व 77:06:00	रेखांश	77:06:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36	स्थानिक संस्कार	-00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:29	सूर्योदय	05:51:21
18:57:11	सूर्यास्त	18:57:27
24:12:03	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:59
तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	कर्क
शनि	राशि-स्वामी	चन्द्र
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	पुष्य
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	3
सुकर्मा	योग	वरियान
गर	करण	विष्टि
सो-सोमनाथ	जन्म नामाक्षर	हो-होमवती
सिंह	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह
शूद्र	वर्ण	विप्र
मानव	वश्य	जलचर
सिंह	योनि	मेष
मनुष्य	गण	देव
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मेष
1	गत/तत्कालिक वर्ष	2

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
चित्रा	4	04:04:44	तुला			लग्न			धनु	25:20:27	4	पूर्वाषाढ़ा
मघा	2	04:26:26	सिंह			सूर्य			सिंह	04:26:39	2	मघा
पू०भाद्रपद	2	24:36:38	कुंभ			चंद्र			कर्क	12:30:18	3	पुष्य
मृगशिरा	2	26:42:31	वृष			मंगल			कन्या	14:54:57	2	हस्त
मघा	1	00:38:10	सिंह	व	अ	बुध			कर्क	16:05:03	4	पुष्य
मृगशिरा	1	23:26:29	वृष			गुरु			मिथु	21:41:11	1	पुनर्वसु
पू०फाल्गुनी	4	25:34:17	सिंह			शुक्र			कर्क	00:45:39	4	पुनर्वसु
पू०भाद्रपद	1	23:09:57	कुंभ	व		शनि	व		मीन	06:29:12	1	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	3	12:53:22	मीन	व		राहु	व		कुंभ	24:09:48	2	पू०भाद्रपद
हस्त	1	12:53:22	कन्या	व		केतु	व		सिंह	24:09:48	4	पू०फाल्गुनी
कृतिका	2	03:00:02	वृष			मु			वृश्चि	04:04:44	1	अनुराधा

वर्ष - विवरण

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:59

लग्न-चलित

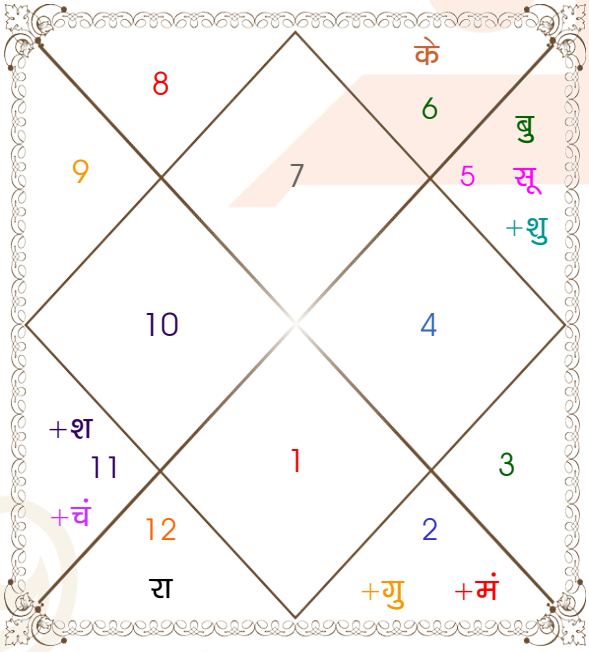

वर्ष लग्न कुंडली

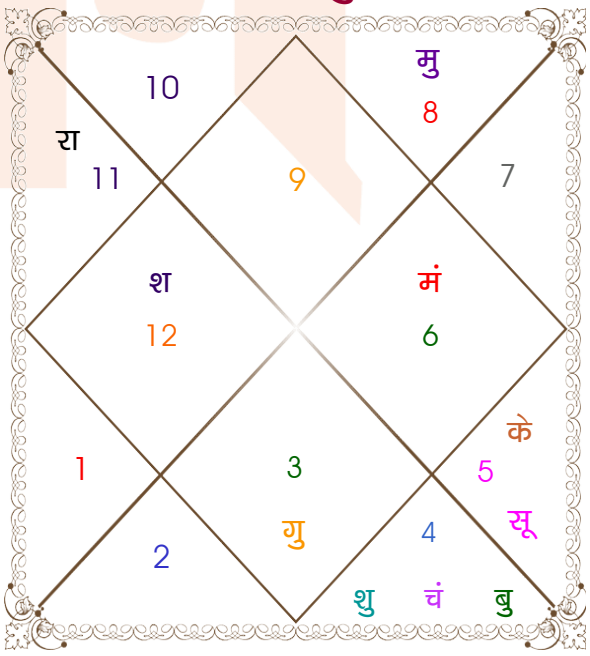

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

चन्द्र कुंडली

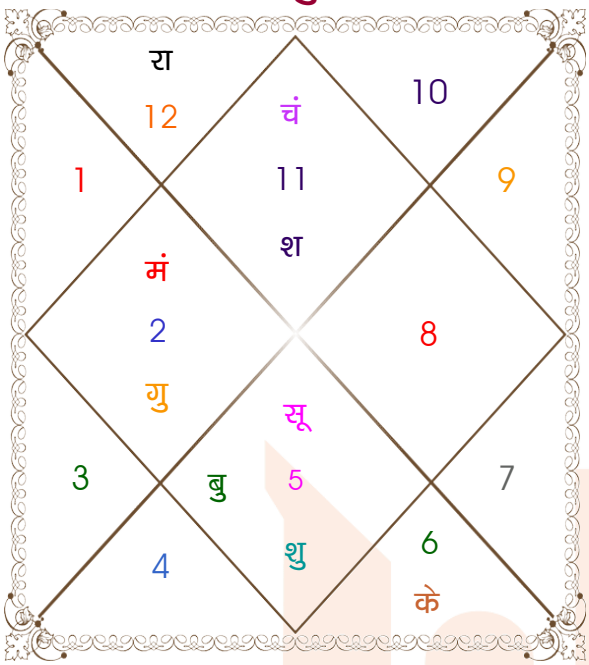

वर्ष चन्द्र कुंडली

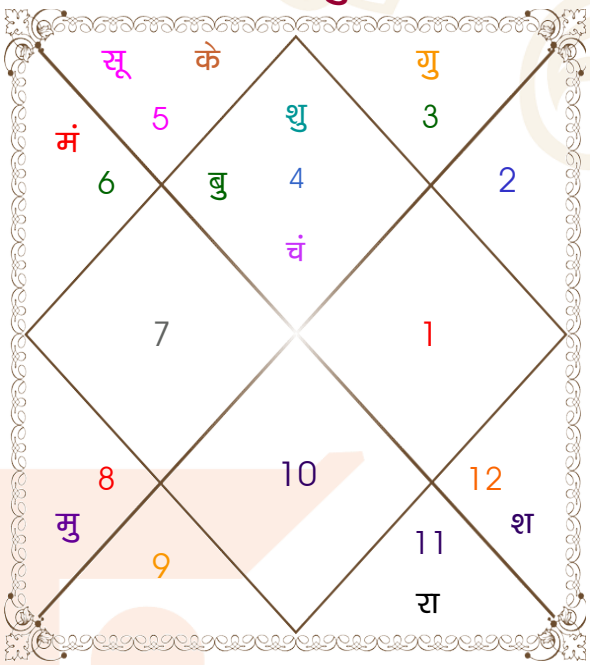

नवमांश कुंडली

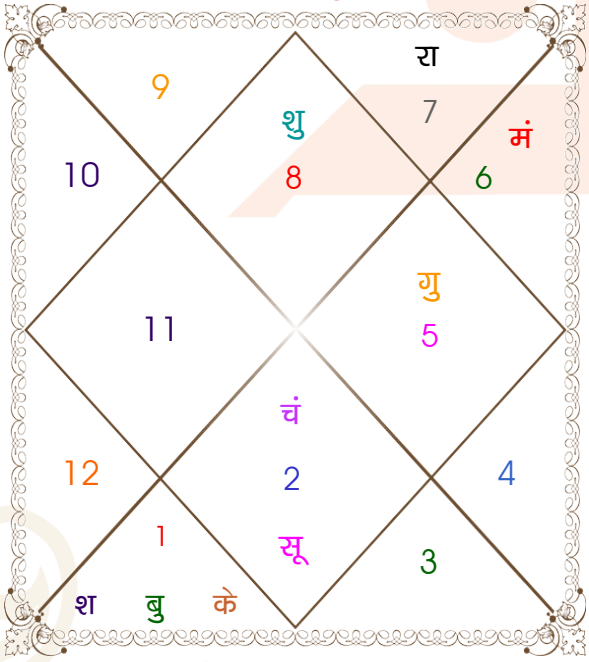

वर्ष नवमांश कुंडली

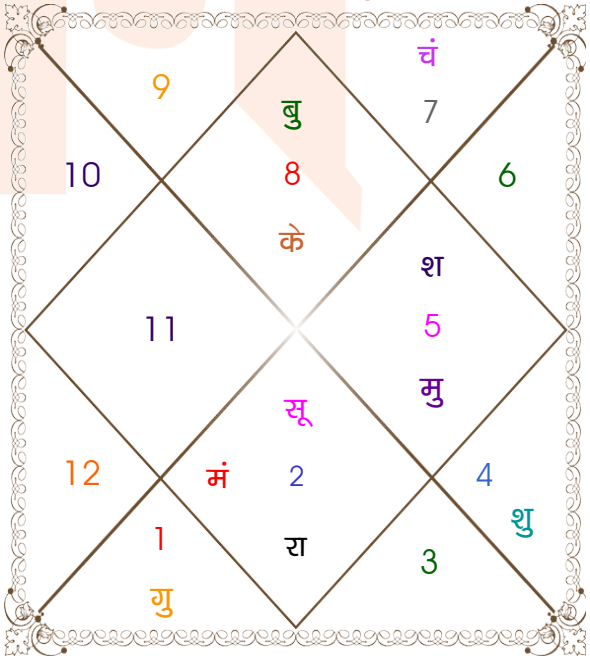

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	सम	सम	सम	मित्र	सम	सम
चन्द्र	सम	---	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
मंगल	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बुध	सम	शत्रु	मित्र	---	सम	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	सम	शत्रु	सम	---	सम	शत्रु
शुक्र	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	---	मित्र
शनि	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	धनु	सिंह	कर्क	कन्या	कर्क	मिथु	कर्क	मीन
होरा	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	कुंभ	कुंभ	कन्या	वृष	कन्या	सिंह	वृष	मक
चतुर्थांश	कन्या	सिंह	तुला	धनु	मक	धनु	कर्क	मीन
पंचमांश	तुला	मेष	मीन	मीन	मीन	मिथु	वृष	कन्या
षष्ठांश	कन्या	मेष	धनु	धनु	मक	सिंह	तुला	वृश्चि
सप्तमांश	वृष	कन्या	मीन	मिथु	मेष	वृश्चि	मक	तुला
अष्टमांश	वृश्चि	कन्या	कर्क	सिंह	सिंह	तुला	मेष	मिथु
नवमांश	वृश्चि	वृष	तुला	वृष	वृश्चि	मेष	कर्क	सिंह
दशमांश	सिंह	कन्या	कर्क	कन्या	सिंह	मक	मीन	मक
एकादशांश	सिंह	सिंह	तुला	मक	वृश्चि	धनु	मिथु	मेष
द्वादशांश	तुला	कन्या	धनु	कुंभ	मक	कुंभ	कर्क	वृष

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	सम	शत्रु	शत्रु
होरा	स्व	स्व	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
द्रेष्काण	सम	शत्रु	मित्र	स्व	मित्र	स्व	स्व
चतुर्थांश	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
पंचमांश	सम	सम	शत्रु	सम	सम	स्व	मित्र
षष्ठांश	सम	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	शत्रु
सप्तमांश	सम	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
अष्टमांश	सम	स्व	सम	सम	सम	मित्र	मित्र
नवमांश	सम	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम
दशमांश	सम	स्व	मित्र	सम	शत्रु	सम	स्व
एकादशांश	स्व	शत्रु	शत्रु	मित्र	स्व	शत्रु	शत्रु
द्वादशांश	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
शुभ	4	4	6	7	4	5	7
सम	8	4	1	4	4	1	1
अशुभ	0	4	5	1	4	6	4
कुल	शुभ	सम	शुभ	शुभ	सम	अशुभ	शुभ

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	5	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	5	5	0	0	0	0	0
तृतीय बल	0	5	5	5	0	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	15	10	10	5	5	5	0
बल	बली	सामान्य	सामान्य	क्षीण	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	30.00	30.00	22.50	7.50	15.00	7.50	7.50
उच्च बल	7.28	12.28	5.21	13.45	18.52	9.58	4.83
हददा बल	11.25	3.75	3.75	15.00	3.75	11.25	11.25
द्रेष्काण	5.00	2.50	7.50	10.00	7.50	10.00	10.00
नवमांश	2.50	1.25	3.75	3.75	1.25	1.25	2.50
कुल	56.03	49.78	42.71	49.70	46.02	39.58	36.08
विंशोपक	14.01	12.44	10.68	12.43	11.51	9.90	9.02
बल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	सामान्य	सामान्य

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शुक्र	9.90	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	गुरु	11.51	अति अशुभ	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	10.68	अशुभ	सूर्य
दिवापति	सूर्य	14.01	अतिशुभ	
त्रिराशिपति	शनि	9.02	अशुभ	

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

पात्यंश दशा

शुक्र		सूर्य		शनि		चंद्र		मंगल	
21/08/2025		01/09/2025		24/10/2025		23/11/2025		17/02/2026	
01/09/2025		24/10/2025		23/11/2025		17/02/2026		24/03/2026	
शुक्र	22/08/2025	सूर्य	09/09/2025	शनि	27/10/2025	चंद्र	13/12/2025	मंगल	21/02/2026
सूर्य	23/08/2025	शनि	13/09/2025	चंद्र	03/11/2025	मंगल	22/12/2025	बुध	22/02/2026
शनि	24/08/2025	चंद्र	26/09/2025	मंगल	05/11/2025	बुध	26/12/2025	गुरु	02/03/2026
चंद्र	27/08/2025	मंगल	01/10/2025	बुध	07/11/2025	गुरु	14/01/2026	लग्न	07/03/2026
मंगल	28/08/2025	बुध	03/10/2025	गुरु	13/11/2025	लग्न	26/01/2026	शुक्र	08/03/2026
बुध	28/08/2025	गुरु	15/10/2025	लग्न	18/11/2025	शुक्र	29/01/2026	सूर्य	13/03/2026
गुरु	31/08/2025	लग्न	23/10/2025	शुक्र	18/11/2025	सूर्य	10/02/2026	शनि	16/03/2026
लग्न	01/09/2025	शुक्र	24/10/2025	सूर्य	23/11/2025	शनि	17/02/2026	चंद्र	24/03/2026

बुध		गुरु		लग्न		शुक्र	
24/03/2026		10/04/2026		30/06/2026		21/08/2026	
10/04/2026		30/06/2026		21/08/2026		00/00/0000	
बुध	25/03/2026	गुरु	28/04/2026	लग्न	07/07/2026	शुक्र	21/08/2026
गुरु	29/03/2026	लग्न	10/05/2026	शुक्र	09/07/2026		00/00/0000
लग्न	31/03/2026	शुक्र	12/05/2026	सूर्य	17/07/2026		00/00/0000
शुक्र	01/04/2026	सूर्य	24/05/2026	शनि	21/07/2026		00/00/0000
सूर्य	03/04/2026	शनि	30/05/2026	चंद्र	02/08/2026		00/00/0000
शनि	04/04/2026	चंद्र	18/06/2026	मंगल	07/08/2026		00/00/0000
चंद्र	08/04/2026	मंगल	26/06/2026	बुध	10/08/2026		00/00/0000
मंगल	10/04/2026	बुध	30/06/2026	गुरु	21/08/2026		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मुद्दा दशा

शनि		बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
21/08/2025		18/10/2025		09/12/2025		30/12/2025		01/03/2026	
18/10/2025		09/12/2025		30/12/2025		01/03/2026		19/03/2026	
शनि	30/08/2025	बुध	25/10/2025	केतु	10/12/2025	शुक्र	09/01/2026	सूर्य	02/03/2026
बुध	08/09/2025	केतु	28/10/2025	शुक्र	14/12/2025	सूर्य	12/01/2026	चंद्र	03/03/2026
केतु	11/09/2025	शुक्र	06/11/2025	सूर्य	15/12/2025	चंद्र	17/01/2026	मंगल	04/03/2026
शुक्र	21/09/2025	सूर्य	09/11/2025	चंद्र	16/12/2025	मंगल	21/01/2026	राहु	07/03/2026
सूर्य	23/09/2025	चंद्र	13/11/2025	मंगल	18/12/2025	राहु	30/01/2026	गुरु	10/03/2026
चंद्र	28/09/2025	मंगल	16/11/2025	राहु	21/12/2025	गुरु	07/02/2026	शनि	13/03/2026
मंगल	02/10/2025	राहु	24/11/2025	गुरु	24/12/2025	शनि	17/02/2026	बुध	15/03/2026
राहु	10/10/2025	गुरु	01/12/2025	शनि	27/12/2025	बुध	25/02/2026	केतु	16/03/2026
गुरु	18/10/2025	शनि	09/12/2025	बुध	30/12/2025	केतु	01/03/2026	शुक्र	19/03/2026

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		गुरु	
19/03/2026		19/04/2026		10/05/2026		04/07/2026		04/07/2026	
19/04/2026		10/05/2026		04/07/2026		21/08/2026		21/08/2026	
चंद्र	22/03/2026	मंगल	20/04/2026	राहु	18/05/2026	गुरु	10/07/2026	गुरु	10/07/2026
मंगल	24/03/2026	राहु	23/04/2026	गुरु	25/05/2026	शनि	18/07/2026	शनि	18/07/2026
राहु	28/03/2026	गुरु	26/04/2026	शनि	03/06/2026	बुध	25/07/2026	बुध	25/07/2026
गुरु	01/04/2026	शनि	29/04/2026	बुध	11/06/2026	केतु	28/07/2026	केतु	28/07/2026
शनि	06/04/2026	बुध	02/05/2026	केतु	14/06/2026	शुक्र	05/08/2026	शुक्र	05/08/2026
बुध	10/04/2026	केतु	04/05/2026	शुक्र	23/06/2026	सूर्य	07/08/2026	सूर्य	07/08/2026
केतु	12/04/2026	शुक्र	07/05/2026	सूर्य	26/06/2026	चंद्र	11/08/2026	चंद्र	11/08/2026
शुक्र	17/04/2026	सूर्य	08/05/2026	चंद्र	01/07/2026	मंगल	14/08/2026	मंगल	14/08/2026
सूर्य	19/04/2026	चंद्र	10/05/2026	मंगल	04/07/2026	राहु	21/08/2026	राहु	21/08/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - बुध - गुरु	
18/05/2025 13:29	
05/09/2025 22:46	
गुरु	02/06/2025 06:43
शनि	19/06/2025 18:11
बुध	05/07/2025 09:30
केतु	11/07/2025 20:03
शुक्र	30/07/2025 05:35
सूर्य	04/08/2025 18:03
चंद्र	13/08/2025 22:50
मंगल	20/08/2025 09:22
राहु	05/09/2025 22:46

गुरु - बुध - शनि	
05/09/2025 22:46	
15/01/2026 00:47	
शनि	26/09/2025 16:53
बुध	15/10/2025 06:34
केतु	22/10/2025 22:05
शुक्र	13/11/2025 18:25
सूर्य	20/11/2025 07:43
चंद्र	01/12/2025 05:54
मंगल	08/12/2025 21:25
राहु	28/12/2025 13:19
गुरु	15/01/2026 00:47

गुरु - केतु - केतु	
15/01/2026 00:47	
03/02/2026 22:03	
केतु	16/01/2026 04:37
शुक्र	19/01/2026 12:10
सूर्य	20/01/2026 12:02
चंद्र	22/01/2026 03:48
मंगल	23/01/2026 07:38
राहु	26/01/2026 07:14
गुरु	28/01/2026 22:52
शनि	01/02/2026 02:26
बुध	03/02/2026 22:03

गुरु - केतु - शुक्र	
03/02/2026 22:03	
01/04/2026 17:39	
शुक्र	13/02/2026 09:19
सूर्य	16/02/2026 05:29
चंद्र	20/02/2026 23:07
मंगल	24/02/2026 06:40
राहु	04/03/2026 19:12
गुरु	12/03/2026 09:01
शनि	21/03/2026 08:55
बुध	29/03/2026 10:06
केतु	01/04/2026 17:39

गुरु - केतु - सूर्य	
01/04/2026 17:39	
18/04/2026 18:43	
सूर्य	02/04/2026 14:06
चंद्र	04/04/2026 00:11
मंगल	05/04/2026 00:03
राहु	07/04/2026 13:25
गुरु	09/04/2026 19:57
शनि	12/04/2026 12:44
बुध	14/04/2026 22:41
केतु	15/04/2026 22:33
शुक्र	18/04/2026 18:43

गुरु - केतु - चंद्र	
18/04/2026 18:43	
17/05/2026 04:31	
चंद्र	21/04/2026 03:32
मंगल	22/04/2026 19:19
राहु	27/04/2026 01:35
गुरु	30/04/2026 20:29
शनि	05/05/2026 08:26
बुध	09/05/2026 09:02
केतु	11/05/2026 00:48
शुक्र	15/05/2026 18:26
सूर्य	17/05/2026 04:31

गुरु - केतु - मंगल	
17/05/2026 04:31	
06/06/2026 01:47	
मंगल	18/05/2026 08:22
राहु	21/05/2026 07:57
गुरु	23/05/2026 23:35
शनि	27/05/2026 03:09
बुध	29/05/2026 22:46
केतु	31/05/2026 02:36
शुक्र	03/06/2026 10:09
सूर्य	04/06/2026 10:01
चंद्र	06/06/2026 01:47

गुरु - केतु - राहु	
06/06/2026 01:47	
27/07/2026 05:01	
राहु	13/06/2026 17:52
गुरु	20/06/2026 13:30
शनि	28/06/2026 15:49
बुध	05/07/2026 21:40
केतु	08/07/2026 21:16
शुक्र	17/07/2026 09:48
सूर्य	19/07/2026 23:10
चंद्र	24/07/2026 05:26
मंगल	27/07/2026 05:01

गुरु - केतु - गुरु	
27/07/2026 05:01	
10/09/2026 15:54	
गुरु	02/08/2026 06:28
शनि	09/08/2026 11:12
बुध	15/08/2026 21:44
केतु	18/08/2026 13:22
शुक्र	26/08/2026 03:11
सूर्य	28/08/2026 09:44
चंद्र	01/09/2026 04:38
मंगल	03/09/2026 20:16
राहु	10/09/2026 15:54

गुरु - केतु - शनि	
10/09/2026 15:54	
03/11/2026 15:19	
शनि	19/09/2026 05:01
बुध	26/09/2026 20:32
केतु	30/09/2026 00:06
शुक्र	08/10/2026 24:00
सूर्य	11/10/2026 16:46
चंद्र	16/10/2026 04:43
मंगल	19/10/2026 08:17
राहु	27/10/2026 10:36
गुरु	03/11/2026 15:19

गुरु - केतु - बुध	
03/11/2026 15:19	
21/12/2026 22:23	
बुध	10/11/2026 11:31
केतु	13/11/2026 07:08
शुक्र	21/11/2026 08:19
सूर्य	23/11/2026 18:16
चंद्र	27/11/2026 18:51
मंगल	30/11/2026 14:28
राहु	07/12/2026 20:19
गुरु	14/12/2026 06:52
शनि	21/12/2026 22:23

गुरु - शुक्र - शुक्र	
21/12/2026 22:23	
02/06/2027 06:23	
शुक्र	17/01/2027 23:43
सूर्य	26/01/2027 02:31
चंद्र	08/02/2027 15:11
मंगल	18/02/2027 02:27
राहु	14/03/2027 10:51
गुरु	05/04/2027 02:19
शनि	30/04/2027 19:11
बुध	23/05/2027 19:07
केतु	02/06/2027 06:23

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा गर्मी आदि के द्वारा उत्पन्न रोगों से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी सामान्यतया अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे शत्रुपक्ष इस समय आपका प्रबल रहेगा तथा उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा आपके लिए वे समय समय पर अनावश्यक समस्याएं तथा व्यवधान उत्पन्न करेंगे। इस वर्ष में आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा लोकोपवाद से मान हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आलस्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। पिता से भी इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी एवं आपसी संबंधों में तनाव तथा कलह का वातावरण विद्यमान रहेगा। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा लाभ मार्ग अवरूद्ध रहेंगे फलतः आपको समय समय पर आर्थिक कठिनाई रहेगी।

व्यापार तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी तथा किसी प्रकार की हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही आय स्रोतों में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके उच्चाधिकारी या वरिष्ठ सहयोगी आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे आपकी पदोन्नति में विलम्ब होगा तथा कार्य क्षेत्र में भी इनसे कोई परेशानी हो सकती है। अतः ऐसे समय में इनकी आज्ञा का विनम्रता पूर्वक पालन करें तथा इनकी उपेक्षा न करें। इसके साथ ही आपकी कोई यात्रा भी होगी परन्तु इसमें विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः इस वर्ष को अत्यंत शान्ति तथा बुद्धिमता पूर्वक व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा।इस समय अन्यंत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होंगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी।अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

मासिक फलादेश

प्रथम मास
21/08/2025 16:42:09 से 21/09/2025 03:12:54 तक

इस मास में आपको शुभाशुभ फल प्राप्त होंगे। इसके प्रभाव से आपका इस समय व्यय अधिक होगा एवं दुष्ट मनुष्यों की आपको संगति प्राप्त होगी। सामान्य रूप से आप शारीरिक अस्वस्थता की भी अनुभूति करेंगे। साथ ही अत्यंत परिश्रम एवं पराक्रम से भी अल्प मात्रा में ही कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा की भावना उत्पन्न होगी तथा अन्य प्रकार से धन हानि भी हो सकती है। साथ ही मित्रों एवं संबन्धियों से सम्बन्धों में तनाव उत्पन्न हो सकता है। इस समय आपकी नौकरी या व्यापार में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुओं से भय एवं चिन्ता नित्य बनी रहेगी। साथ ही जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी तथा यदाकदा आप मन में बैचेनी भी अनुभव करेंगे।

साथ ही अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे ।अतः आप पुत्र एवं स्त्री का सुख प्राप्त करेंगे तथा नवीन वस्त्र या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है।

द्वितीय मास
21/09/2025 03:12:54 से 21/10/2025 13:43:40 तक

यह मास आपके लिए शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का अभिवर्द्धन होगा तथा सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे ।साथ ही संतति पक्ष से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी हो सकता है। इस मास में आपका प्रभुत्व बढ़ेगा तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस माह में सम्पन्न होंगे तथा अच्छे समाचारों की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों का आप पूर्ण सम्मान करेंगे तथा श्रद्धापूर्वक उनका पूजन भी केरेंगे। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल सिद्ध होंगे ।साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं समस्त मानसिक चिन्ताएं दूर होंगी जिससे आप मन से सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य कई प्रकार से भी आवश्यक सुखों को प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आपकी श्रद्धा उत्पन्न होगी। इस प्रकार आप इस मास को पूर्ण सुख शान्ति एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे।

तृतीय मास
21/10/2025 13:43:40 से 21/11/2025 00:14:26 तक

इस मास में आप शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ होगा तथा सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपका स्वास्थ भी उत्तम रहेगा तथा मन से भी पूर्ण सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे। ज्ञानार्जन में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इस क्षेत्र में आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धुवर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। आपको इस मास वांछित पदार्थों की भी प्राप्ति होगी तथा इनका आप प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगे। समाज तथा समाजिक जनों से आप पूर्ण आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे साथ ही विगत रूके हुए कार्यों में भी आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकेंगे।

इसके साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित्त दोष से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार का योग भी बनता है। अतः दुर्घटना आदि से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी धन हानि होने की सम्भावना है अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

चतुर्थ मास
21/11/2025 00:14:26 से 21/12/2025 10:45:12 तक

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से शुभाशुभ फल प्रदान करेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शरीर में आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी एवं इसमें अशान्ति रहेगी।पारिवारिक जनों से भी आपके संबधों में मधुरता नहीं रहेगी तथा आपस में अनबन रहेगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय शिथिलता आएगी तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बन सकता है। आप इस समय अपने किसी कार्य को छोड़ भी सकते है। सामाजिक जनों से भी आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद आदि भी होते रहेंगे फलतः आपके सम्मान में न्यूनता का भाव आएगा। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन हानि की भी संभावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी होंगे।अतः आप स्त्री से पूर्ण सुख अर्जित करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्न पूर्वक आप धार्मिक कार्य करने के लिए प्रवृत रहेंगे। साथ ही अन्य कई प्रकार के शुभ फल भी इस समय घटित हो सकेंगे।अतः मास शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

पंचम् मास
21/12/2025 10:45:12 से 20/01/2026 21:15:58 तक

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा सम्मान भी प्राप्त करेंगे तथा ये लोग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे आप पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो को करने में भी तत्पर रहेंगे।आपके कई

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सम्मान करेंगे। संतति पक्ष से भी आप पूर्ण सुखी रहेंगे तथा मित्रों एवं बन्धुओं के मध्य आप की मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।साथ ही आपकी असफल आशाएं भी इस समय सिद्ध होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस समय आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करने में सफल रहेंगे।आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी एवं प्रचुर मात्रा में संपूर्ण मास धनार्जन होता रहेगा। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी तथा समाज में आप पूर्ण यश तथा प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

षष्ठ मास
20/01/2026 21:15:58 से 20/02/2026 07:46:43 तक

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

सप्तम् मास
20/02/2026 07:46:43 से 22/03/2026 18:17:29 तक

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
22/03/2026 18:17:29 से 22/04/2026 04:48:15 तक

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते है। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
22/04/2026 04:48:15 से 22/05/2026 15:19:01 तक

यह मास आपके लिए अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जन करने में सफल रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होगा फलतः अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे यथोचित सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

तथा सेवा करेंगे साथ ही समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी। इस मास में आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा तथा दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में आपकी प्रतिष्ठा में नित्य वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप श्रेष्ठ जनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी आपकी उन्नति होगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को प्राप्त करने में सफलता प्राप्त करेंगे तथा सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

दशम् मास
22/05/2026 15:19:01 से 22/06/2026 01:49:47 तक

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे ।साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास
22/06/2026 01:49:47 से 22/07/2026 12:20:33 तक

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com

प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

द्वादश मास
22/07/2026 12:20:33 से 21/08/2026 22:51:18 तक

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी।आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को संपन्न करना चाहिए।

शर्मा डा.जगदीश
नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर
7018169448
jagdish0069@gmail.com